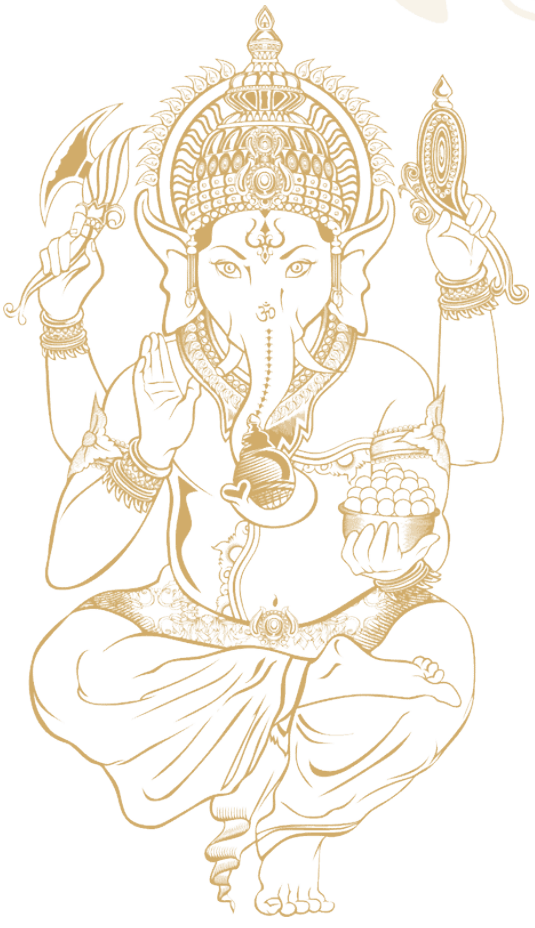

Mr. Shriyank

Ms. Jayni trivedi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119488003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	07/11/1997
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	22:44:55 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	41:08:00 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Umreth
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	73:07:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:37:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:45:43
18:20:20	सूर्यास्त	17:56:41
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि		25:53:37	सिंह	लग्न	कर्क	02:10:49	चन्द्र 3वर्ष 1मा 28दि	
मंगल		09:34:42	मीन	सूर्य	तुला	21:30:33	राहु	
16/02/2024		18:03:57	धनु	चंद्र	मक	19:07:06	06/01/2008	
16/02/2031		19:22:20	कर्क व	मंगल	धनु	05:02:20	05/01/2026	
मंगल	15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	वृश्चि	06:08:47	राहु	18/09/2010
राहु	02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	मक	19:46:22	गुरु	11/02/2013
गुरु	09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	धनु	08:31:36	शनि	19/12/2015
शनि	18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	मीन	20:59:33	बुध	07/07/2018
बुध	14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	सिंह	24:06:54	केतु	25/07/2019
केतु	10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	कुंभ	24:06:54	शुक्र	25/07/2022
शुक्र	12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	11:09:40	सूर्य	19/06/2023
सूर्य	18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	03:35:56	चन्द्र	18/12/2024
चन्द्र	16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:52:11	मंगल	05/01/2026

लग्न-चलित

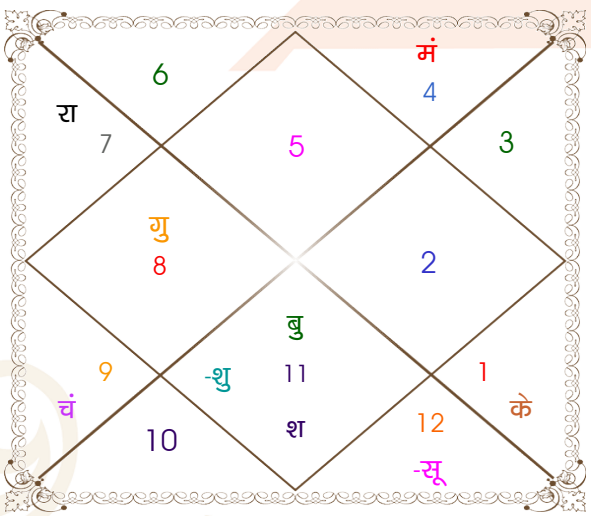

लग्न-चलित

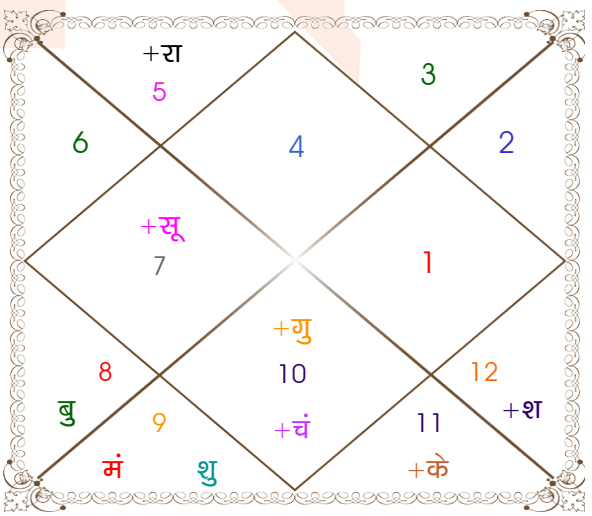

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण श्रंलदप जतपअमकप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डेण श्रंलदप जतपअमकप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण श्रंलदप जतपअमकप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंलदप जतपअमकप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैातपलंदा तथा डेण श्रंलदप जतपअमकप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।